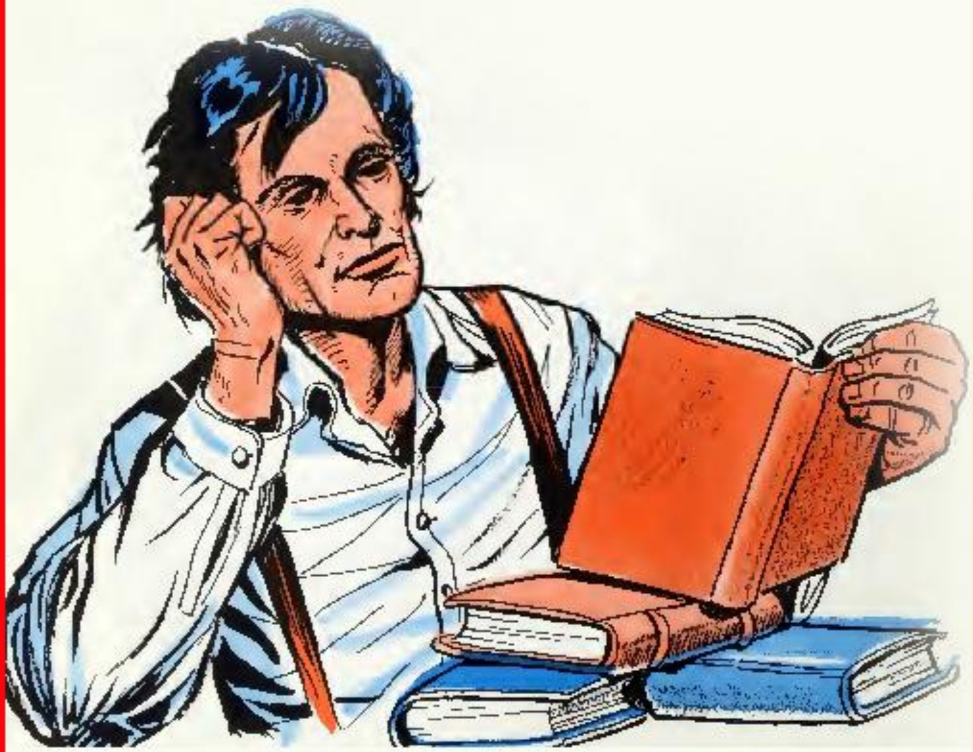
अब्राहम लिंकन

पेट्रीसिया माइल्स मार्टिन

चित्र: गुस्ताव श्रॉटर



अब्राहम लिंकन

इंडियाना के जिस छोटे से कस्बे में जहाँ अब्राहम लिंकन रहते थे, वहां लगभग कोई भी पढ़ना-लिखना नहीं जानता था. अब्राहम ने पढ़ना सीखा, हालाँकि उनके पास अपनी कोई किताब नहीं थी.

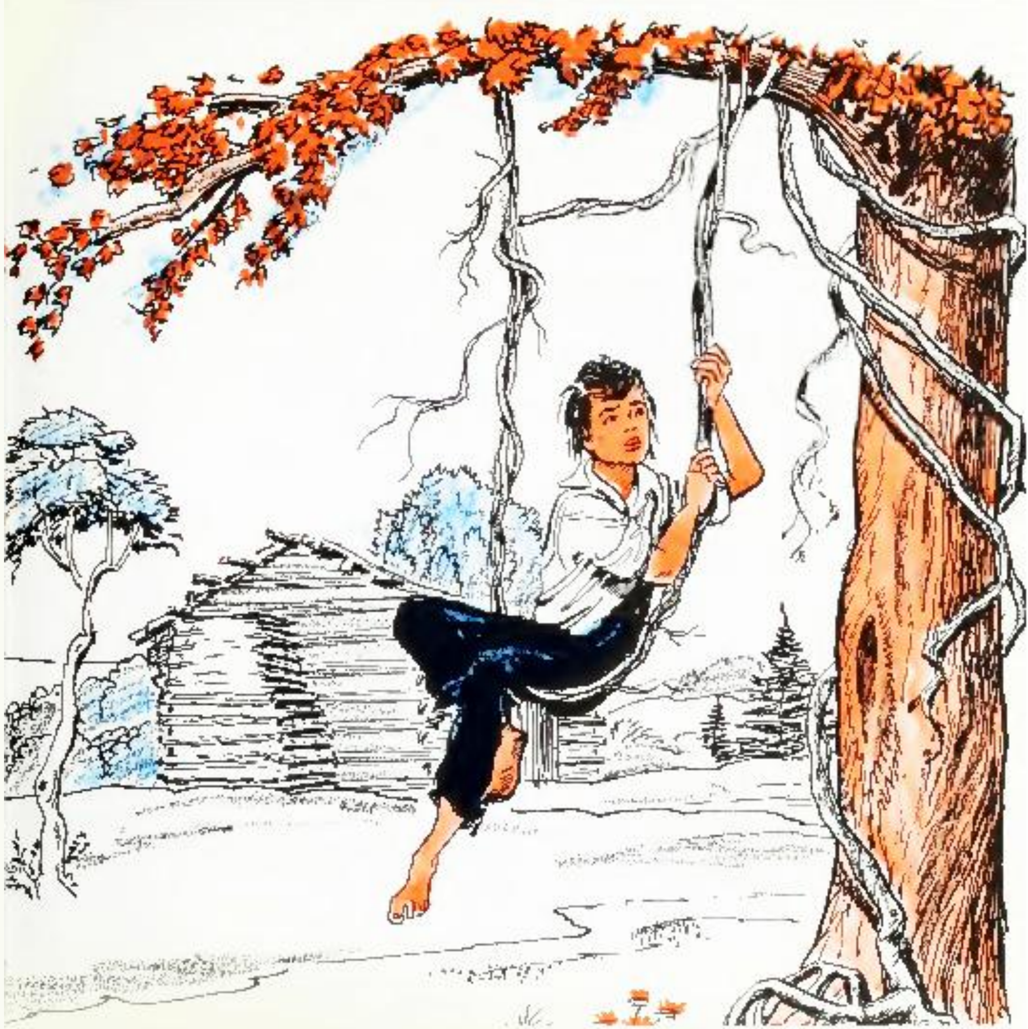
पेट्रीसिया माइल्स मार्टिन ने अब्राहम लिंकन और उनकी उधार ली गई किताब के साथ-साथ उनके बचपन की अन्य घटनाओं का ज़िक्र किया है. यहाँ लिंकन और सीनेटर स्टीफ़न डगलस के बीच हुई बहस और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में व्हाइट हाउस में उनके जीवन की भी कहानियाँ हैं.

अब्राहम लिंकन

पेट्रीसिया माइल्स मार्टिन

चित्र: गुस्ताव श्रॉटर





एक लंबा, आठ साल का लड़का एक जंगली बेल के झूले पर बैठा था. उसने जंगल की आवाज़ें सुनीं.

उसने जंगली जानवरों की आवाज़ और पक्षियों का गाना भी सुना.

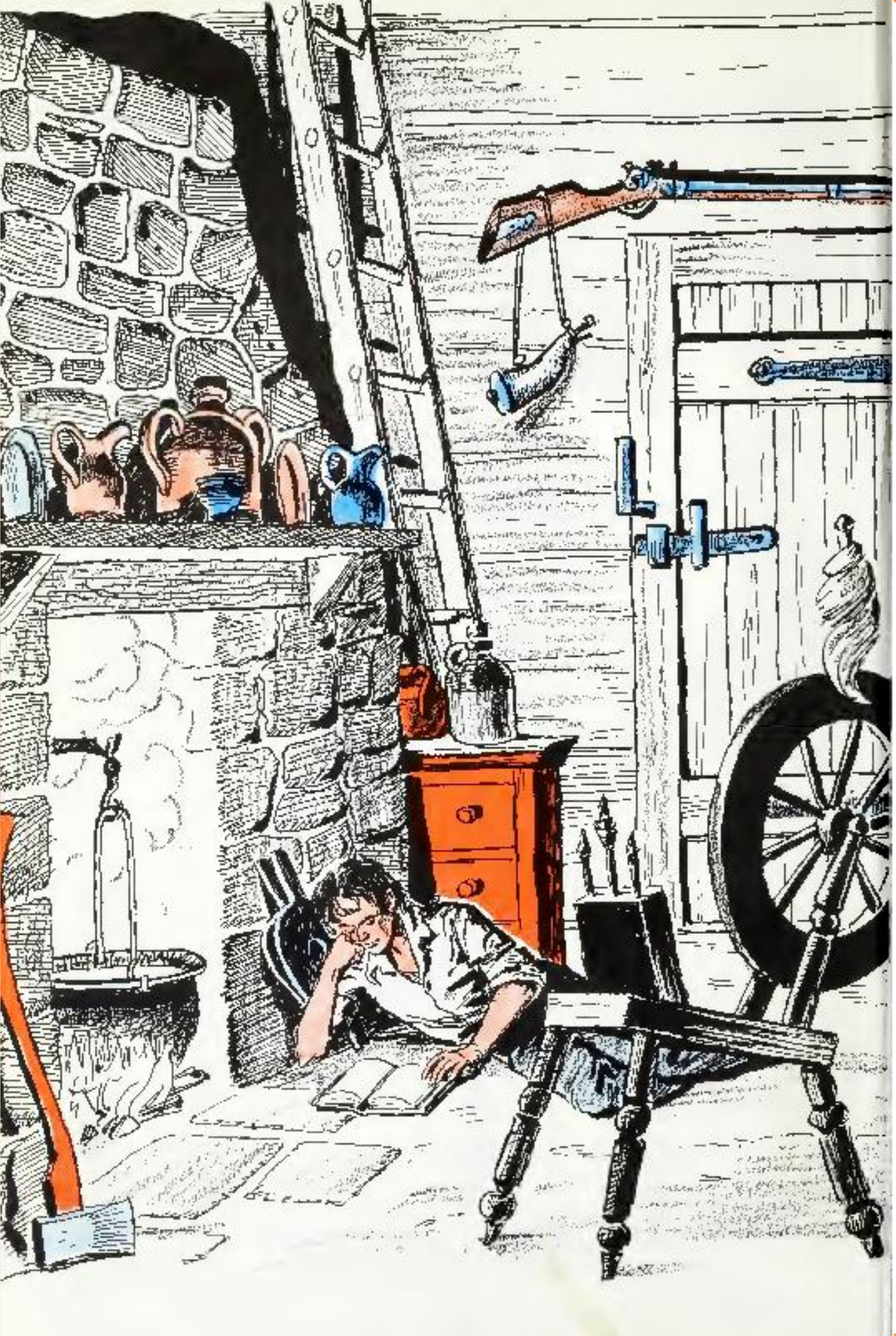
अब्राहम लिंकन को इंडियाना का जंगल और उसमें मौजूद चीज़ें बहुत पसंद थीं. उसे पता था कि हिरण और खरगोश कहाँ छिपते थे. वह जानता था कि उसे जंगली जामुन कहाँ मिलेंगे.





कई बार, वह और उसकी बहन सारा जामुन तोड़ते थे. जब उनकी एक छोटी बाल्टी भर जाती, तो वे उन्हें घर ले जाते थे.

"हमारे पास रात के खाने के लिए जामुन हैं," तब अब्राहम कहता.



और किसी भी अन्य लड़के की तरह, अब्राहम को भी भूख लगी थी. रात का खाना तैयार होने का इंतज़ार करना मुश्किल था.

रात के खाने के बाद, वह आग के सामने एक किताब लेकर बैठ गया. आग की रोशनी उसके चेहरे पर गर्माहट देती थी.

अब्राहम को लिखे शब्द पसंद थे.

उन्हें बोलना पसंद था.

उन्हें लिखना पसंद था.

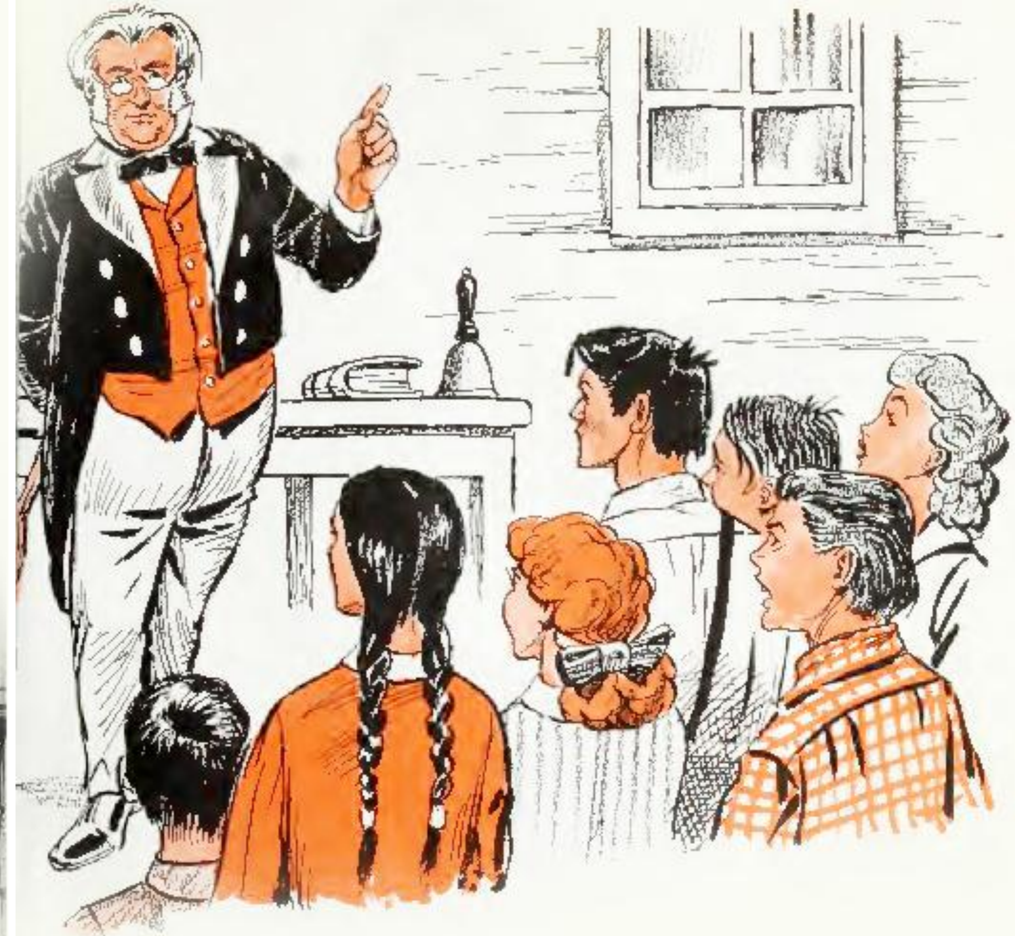
और सबसे बढ़कर, उन्हें पढ़ना पसंद था.

इंडियाना के उस छोटे से कस्बे में जहाँ वह रहता था, वहां लगभग कोई भी पढ़ना नहीं जानता था. लेकिन अब्राहम जानता था.

कभी-कभी, कोई शिक्षक उनके गांव में आता और एक स्कूल शुरू करता.

फिर, अब्राहम और सारा जल्दी-जल्दी स्कूल जाते ताकि वे जितना हो सके सीख सकें.





"जब तुम पढ़ो तो मुझे सुनाओ," शिक्षक ने कहा. "अब सब लोग साथ मिलकर पढ़ेंगे."

और फिर उनकी आवाज़ स्कूल में गूंज उठती.

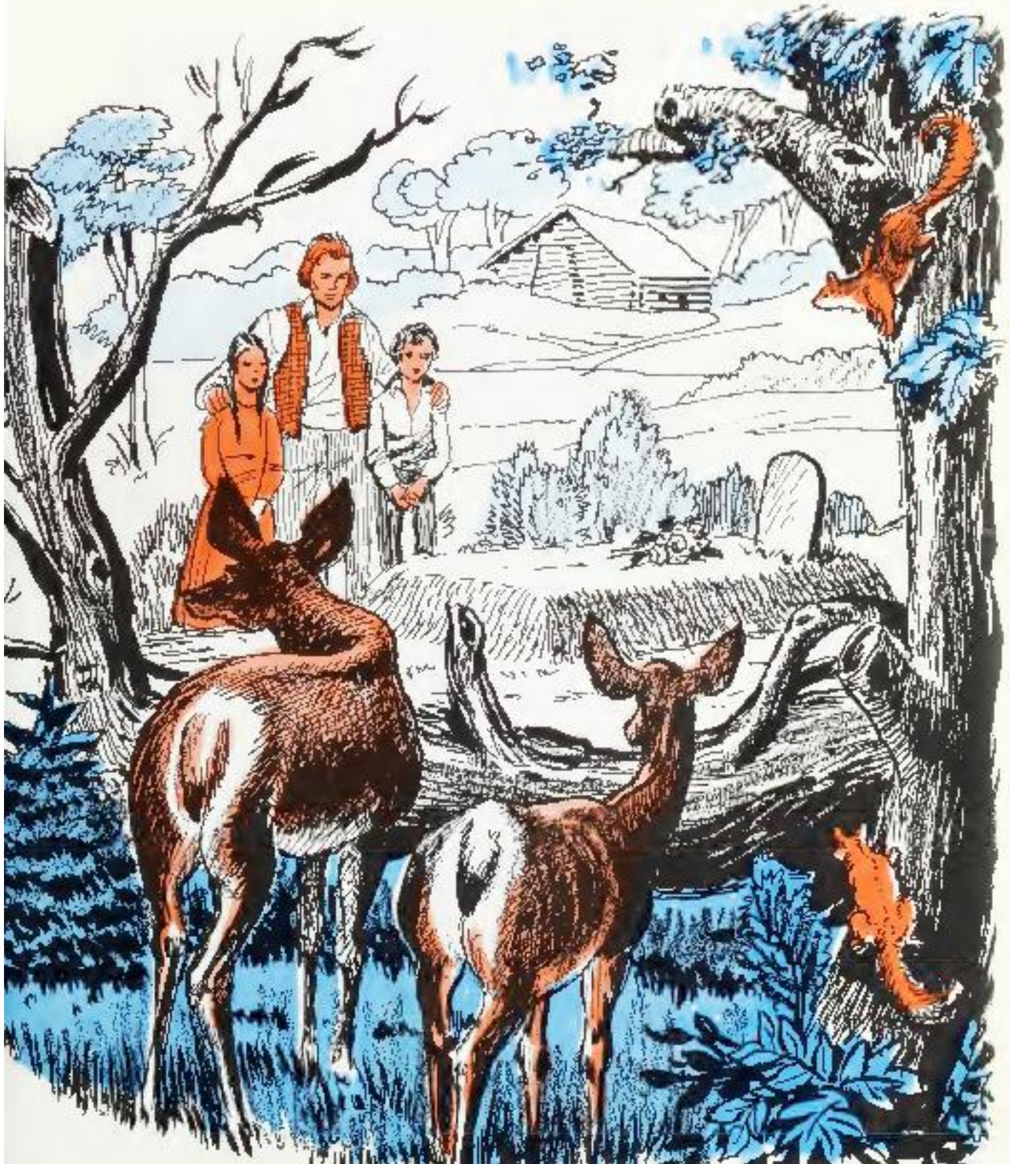
लेकिन फिर कुछ ही दिनों में, गांव में आए शिक्षक चले जाते. फिर स्कूल बंद हो जाता.



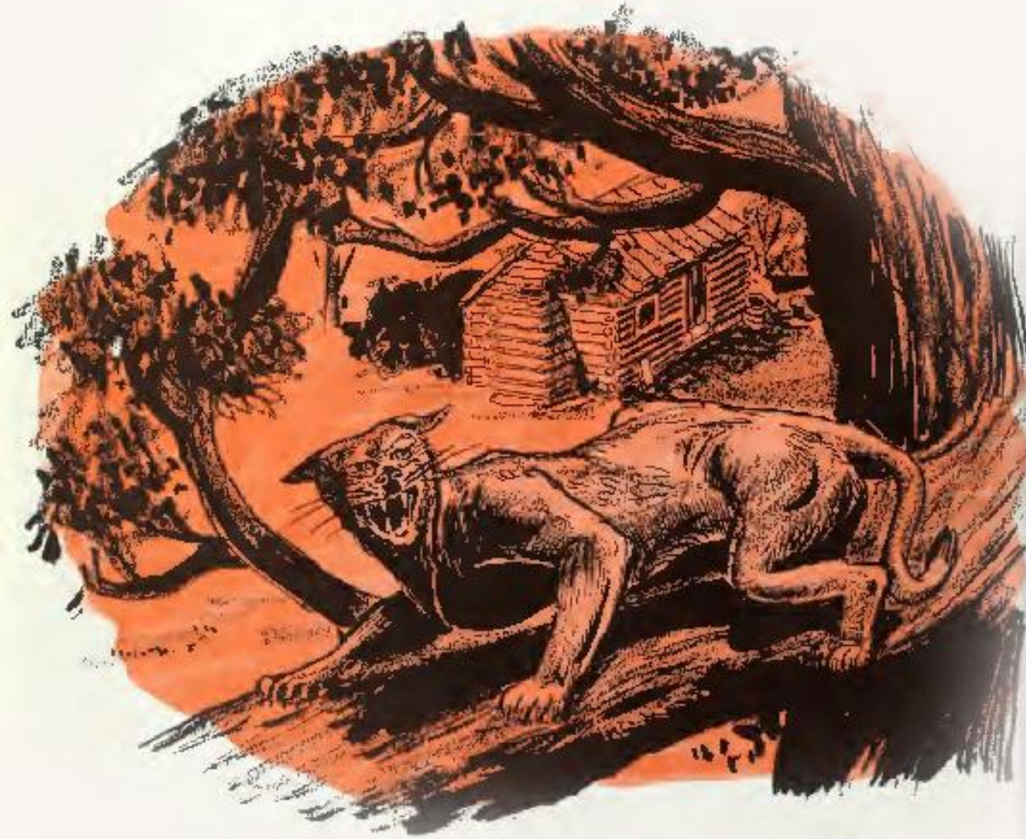
धीरे-धीरे, अब्राहम शब्द पढ़ना सीखता गया और अब उसने ज़्यादा से ज़्यादा शब्द सीखे. सभी लोग आश्चर्य करते कि वह कैसे इतना पढ़ पाता था.

"मुझे जो कुछ भी जानना है, वह सब किताबों में है," वो कहता.

नौ साल का होने से पहले ही उसकी माँ का देहांत हो गया. उन्होंने उसे हिरणों के बाड़े के पास जंगल में दफना दिया.



उसके बाद के दिन लंबे और खाली दिन थे. और रातों में, अब्राहम हवा और जंगली जानवरों की चीखें सुनता था.





काफी समय बाद, उनके पिता एक सौतेली माँ को घर लाए. उनका नाम भी सारा था.



उसके साथ, तीन बच्चे थे, जॉन, सारा और मटिल्डा.



अब्राहम ने अपनी बहन की ओर देखा. "एक ही परिवार में सारा नाम की तीन महिलाएं," उसने कहा.



सौतेली माँ अच्छी और दयालु थी और उसने घर के बहुत से काम देखे.

अब्राहम ने घर के फर्श पर लकड़ी के तख्ते लगाए. उनकी खुशबू जंगल जैसी थी. घर बहुत गर्म था और हँसी-मज़ाक से भरा हुआ था.

अब्राहम की बहन घर के कामों में मदद करती थी. अब्राहम बाहर काम करता था.



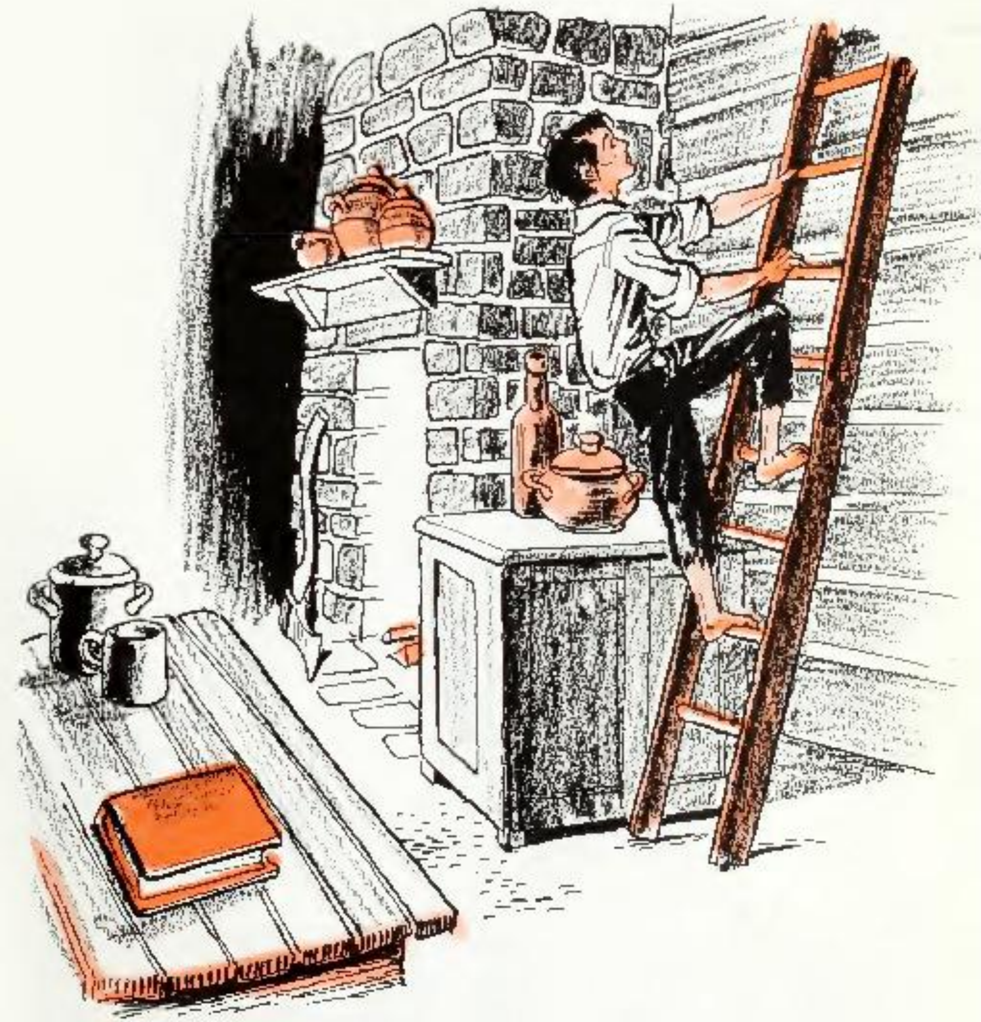
और जब रविवार आता, तो वे सभी साथ मिलकर चर्च जाते थे.



चर्च में, अब्राहम हमेशा सुने हर शब्द को याद रखने की कोशिश करता था. चर्च के बाद वह उन शब्दों को बार-बार दोहराता था.

और जब वह भाषण नहीं दे रहा होता, तो वह पढ़ रहा होता था. वह जो किताब पढ़ता था वह हमेशा उधार ली हुई होती थी, क्योंकि अब्राहम के पास अपनी कोई किताब नहीं थी.

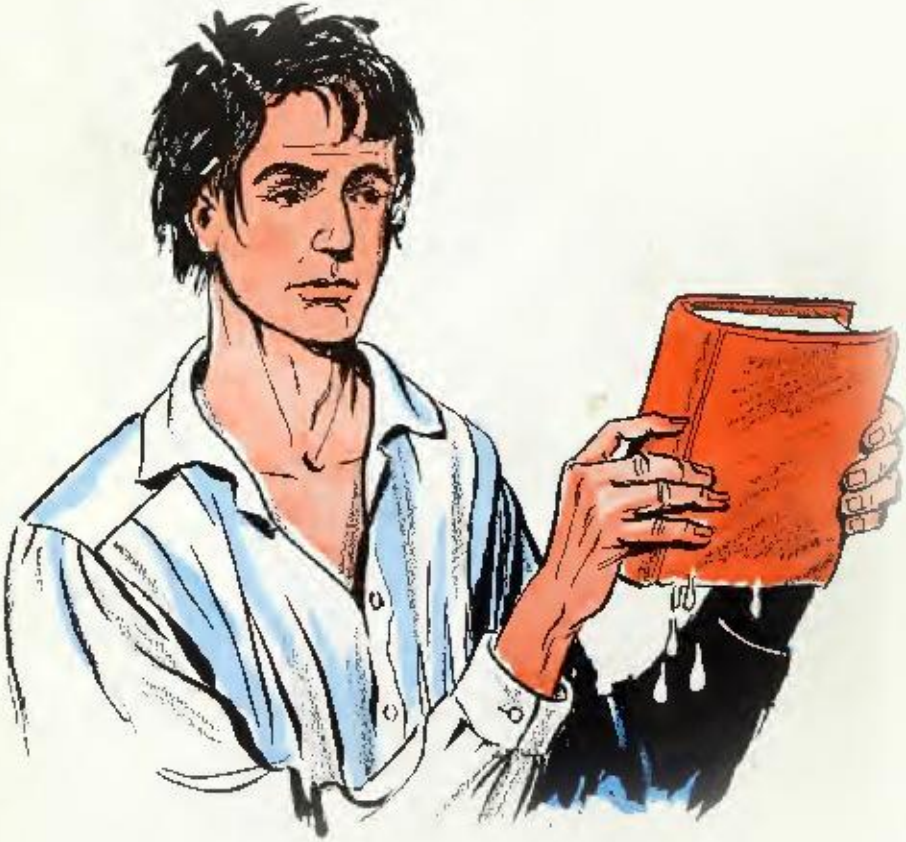




एक रात, उसने अपनी उधार ली हुई किताब रख दी और सीढ़ी चढ़कर अपने बिस्तर पर जाकर लेट गया.

जब वह सो रहा था, तभी बारिश हुई. बूँद-बूँद करके, बारिश लकड़ी के घर की दीवार से होकर अंदर आई.

अगली सुबह, अब्राहम ने देखा कि किताब का कवर गीला हो गया था. वह जल्दी से किताब वापस करने गया.





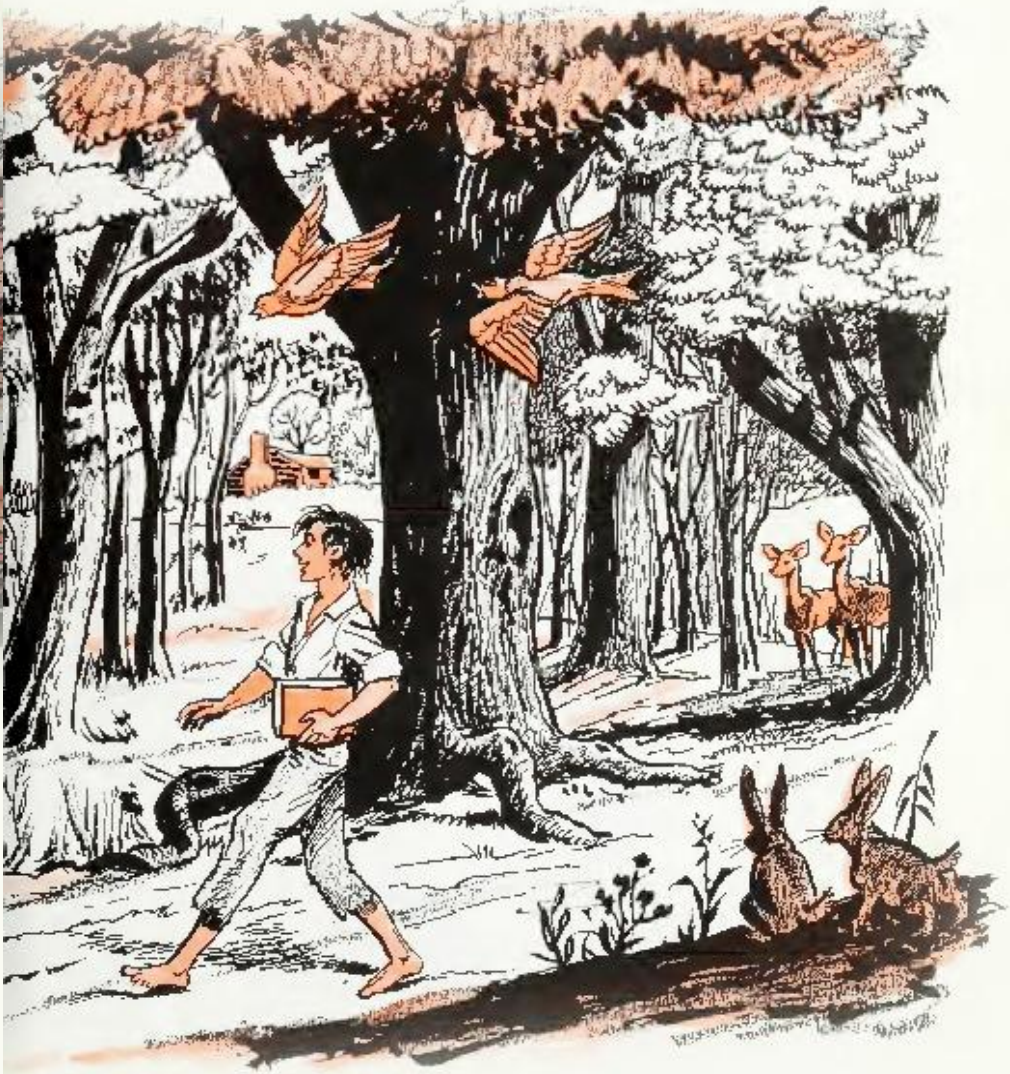
"मैंने किताब को वहां छोड़ दिया था जहाँ उसपर बारिश पड़ी ," उसने कहा. "अब मैं अपने किए की भरपाई के लिए काम करूँगा."

"इसमें लगभग तीन दिन लगेंगे," पड़ोसी ने कहा.

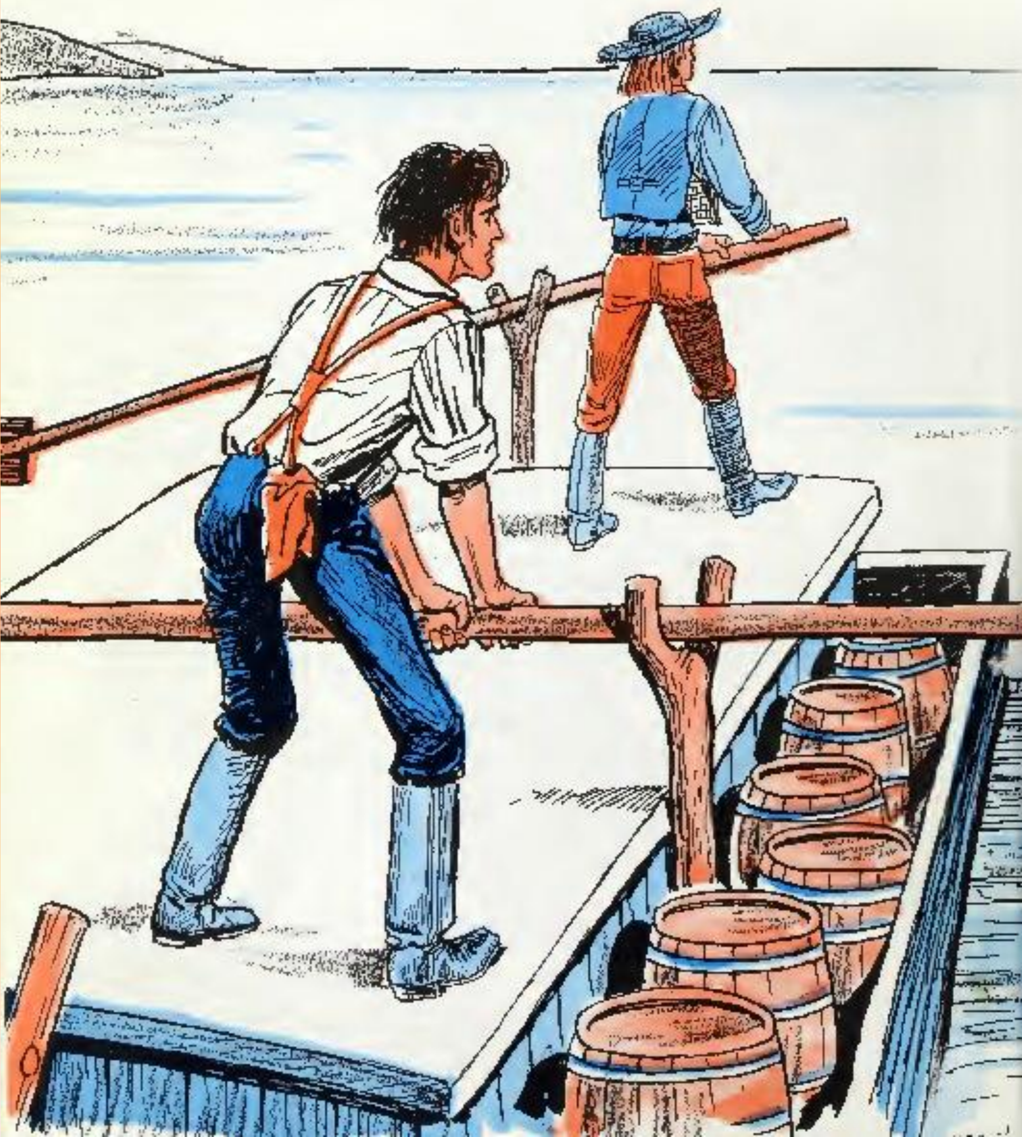


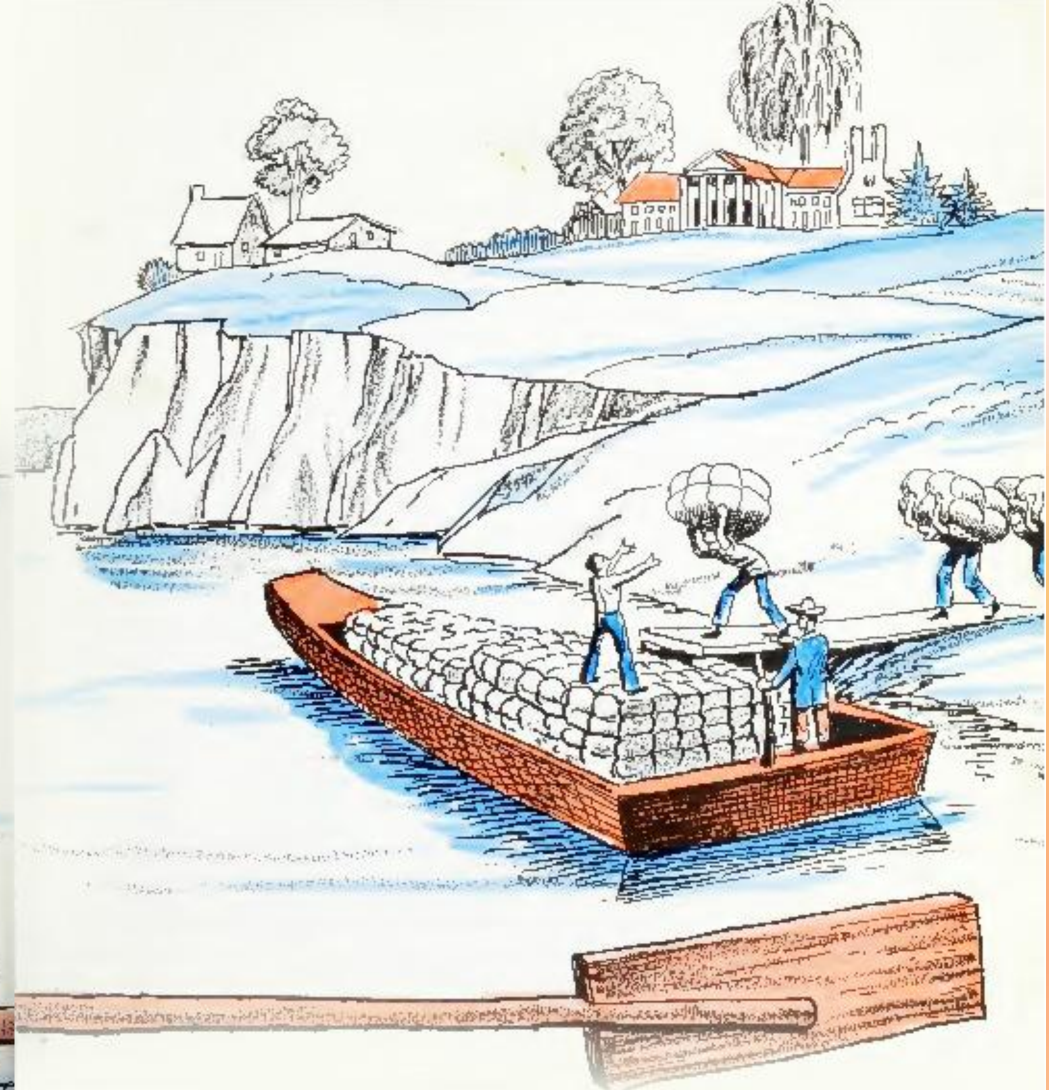
अब्राहम ने तीन दिन काम किया. उस समय के अंत के बाद, उस आदमी ने वो किताब अब्राहम को दे दी. "तुम इसे रख सकते हो," उसने कहा.

अब्राहम जंगल से होकर वापस चला. अब उसके पास अपनी एक किताब थी. उसे अपनी पहली किताब पर बहुत गर्व था.



जब वह सत्रह साल का हुआ, तब वह अपने पिता जितना लंबा हो गया था. तभी वह नदी से होकर न्यू-ऑरलियन्स गया.



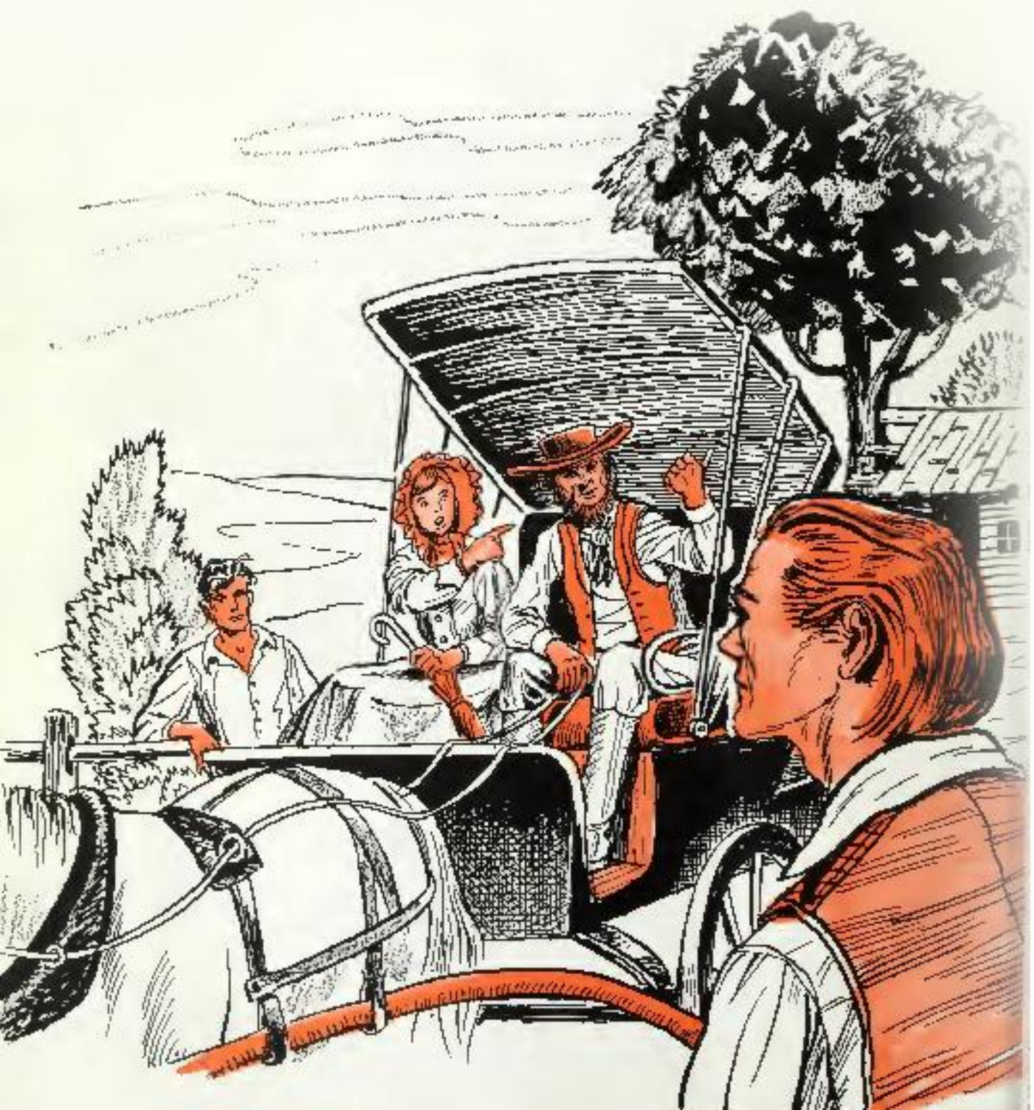


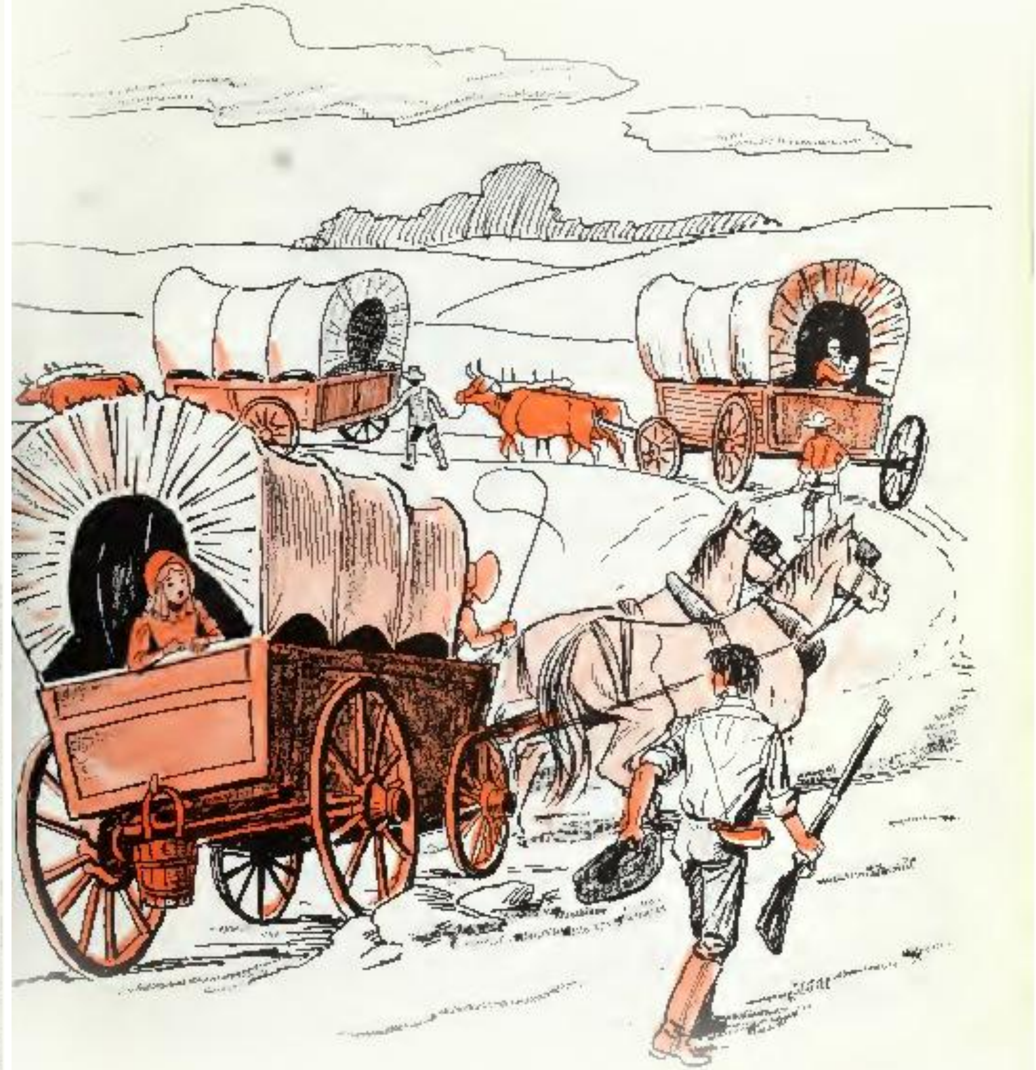
वहाँ उसने कई गुलामों को कपास की गांठें ढोते हुए देखा.

घर लौटने के बाद उसने इन बातों के बारे में कई बार सोचा.

साल बीतते गए.

इलिनॉय गए लोगों से खबर आई. उन्होंने कहा, "यहाँ की ज़मीन अद्भुत है. यहाँ कुछ भी उग सकता है."





अब्राहम जानता था कि उसके पिता भी वहां जाना चाहेंगे.

फिर मज़बूत घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों में, परिवार ने अपना सामान लादा और नई ज़मीन की खोज में निकल पड़ा.

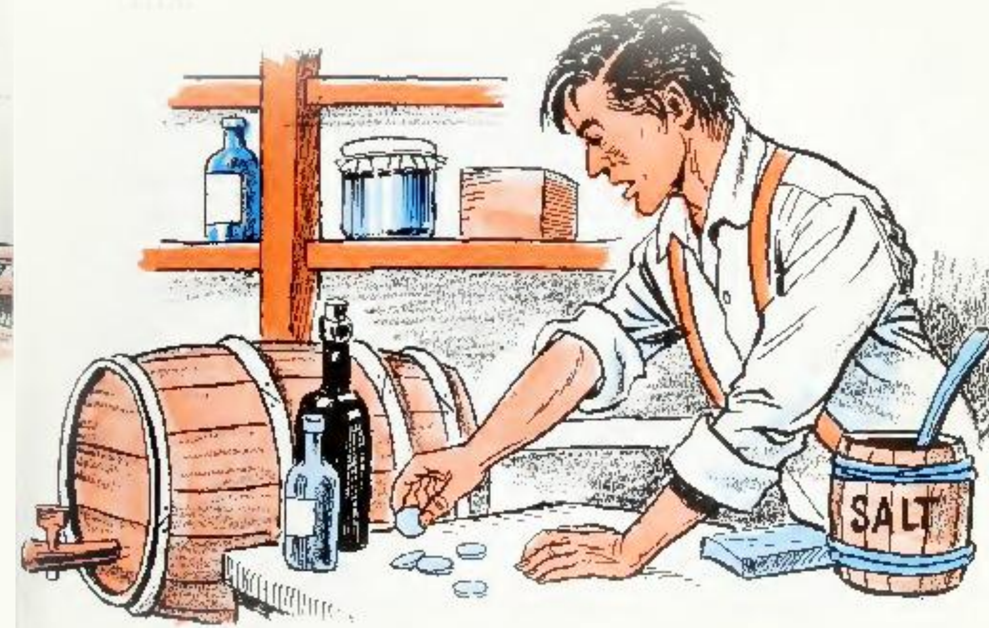


इलिनॉय में, अब्राहम ने एक नए लकड़ी के घर (लॉग-केबिन) के निर्माण में मदद की. उसने ज़मीन पर बाड़ लगाने में मदद की. अब वो एक बड़े आदमी का काम कर सकता था.

अब वह खेत में काम करने से थक चुका था. अन्य मर्दों की तरह, फिर उसने अपनी डगर पकड़ी.

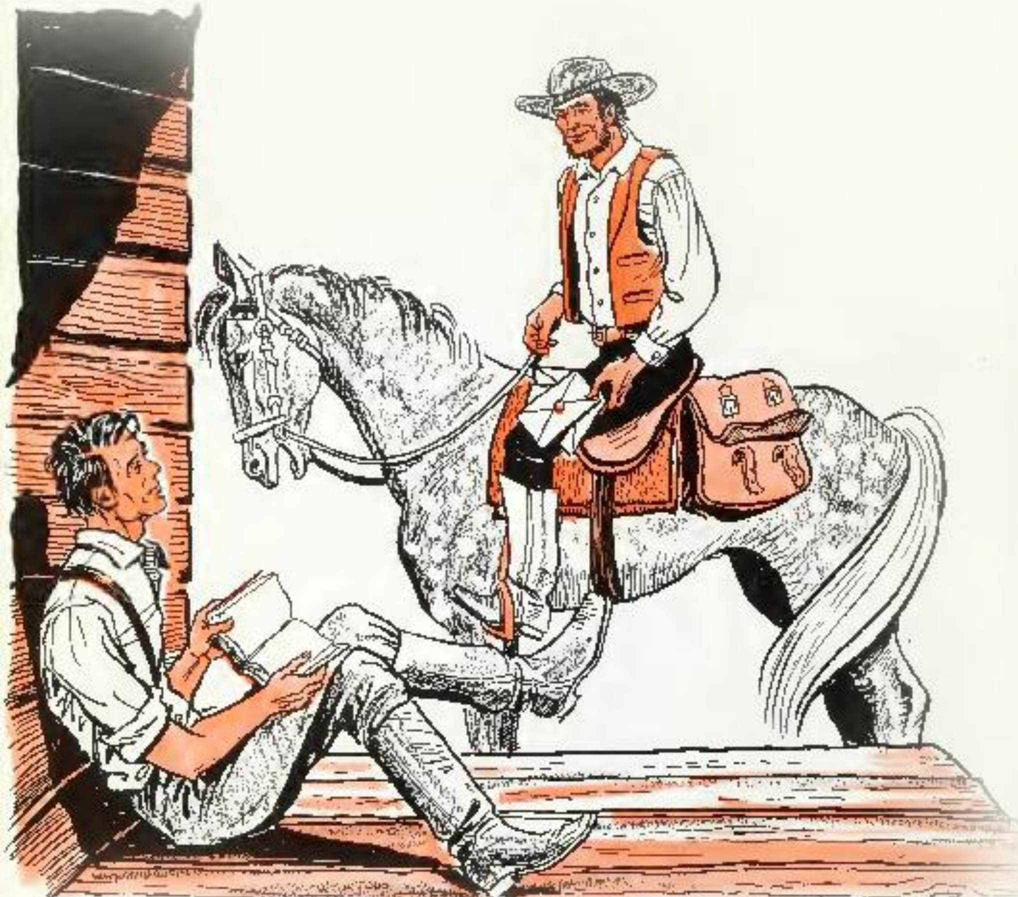
कुछ समय तक, उसने न्यू सलेम के छोटे से शहर की एक दुकान में काम किया.

एक बार एक महिला ने उसे खरीदी हुई चीज़ों के लिए बहुत ज़्यादा पैसे दे दिए. अब्राहम के देखने से पहले ही महिला दुकान से चली गई.



उसने बचे हुए पैसे गिने. "छह सेंट ज़्यादा हैं," अब्राहम ने कहा.

फिर उन पैसों को वापस देने के लिए वह बहुत दूर तक पैदल गया.



जब वह व्यस्त नहीं होता था, तो अब्राहम हमेशा पढ़ता रहता था.

हफ़्ते में दो बार, एक घोड़े पर सवार एक आदमी डाक लेकर दुकान तक आता था.

उस समय अब्राहम बहुत व्यस्त रहता था. उसे आने वाले पत्रों को पहुँचाना पसंद था.

वह पत्रों को अपनी काली टोपी के नीचे रखता था. वो सड़क पर चलते हुए को पत्र देने से शुरुआत करता था.

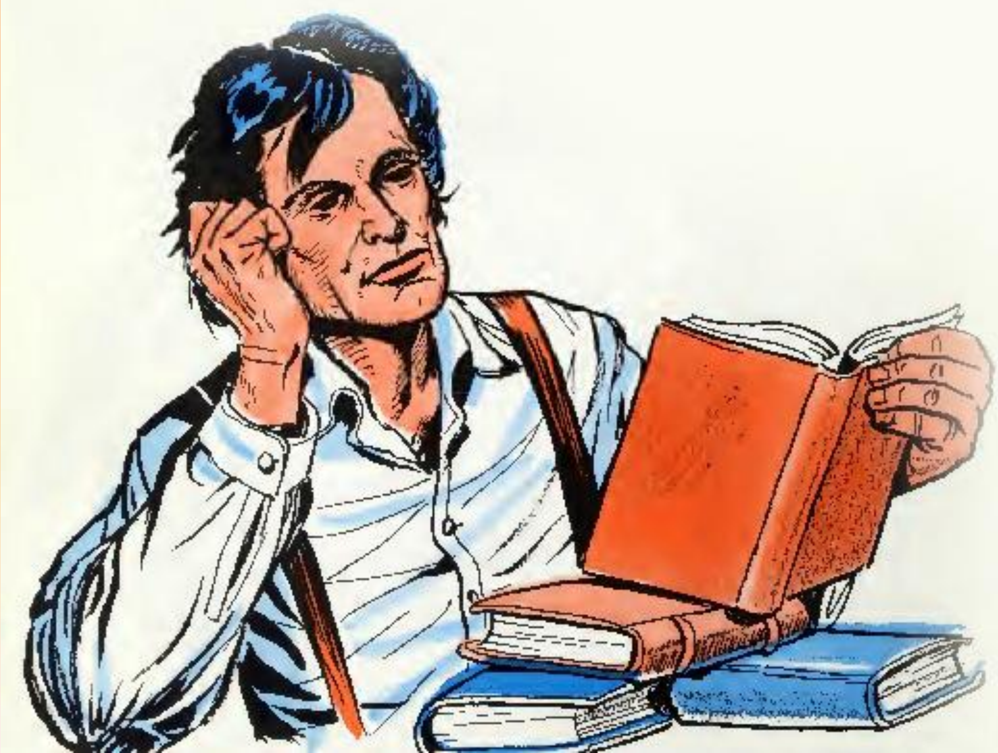
जब वह किसी महिला से मिलता, तो वह अपनी टोपी उतार देता!

—अब्राहम को हँसना पसंद था.



एक बार, उसने कुछ पुरानी किताबें खरीदीं. जब उसने उन्हें देखा, तो उसे उनमें एक ऐसी किताब मिली जो वह हमेशा से चाहता था. वो एक ऐसी किताब थी जो किसी आदमी को वकील बनने से पहले पढ़ना ज़रूरी थी. अब्राहम ने उसे बार-बार पढ़ा, जब तक कि उसे किताब की हर बात याद नहीं हो गई. वह जानता था कि एक दिन वह वकील बनेगा. वह जानता था कि वह स्प्रिंगफील्ड के बड़े शहर में जाएगा.





स्प्रिंगफील्ड जाने वाली सड़क पहाड़ी के ठीक ऊपर थी; अब्राहम जानता था कि एक दिन वह उस सड़क पर चलेगा.

उसने कानून के बारे में दूसरी किताबें उधार लीं. उसने उन्हें तब तक पढ़ा जब तक उनमें लिखी बातें उसे समझ में नहीं आ गईं.

अब वह एक ऐसा इंसान बन गया था जो कानून के बारे में बहुत कुछ जानता था.

उसके बाद वो स्प्रिंगफील्ड की सड़क पर निकल पड़ा.

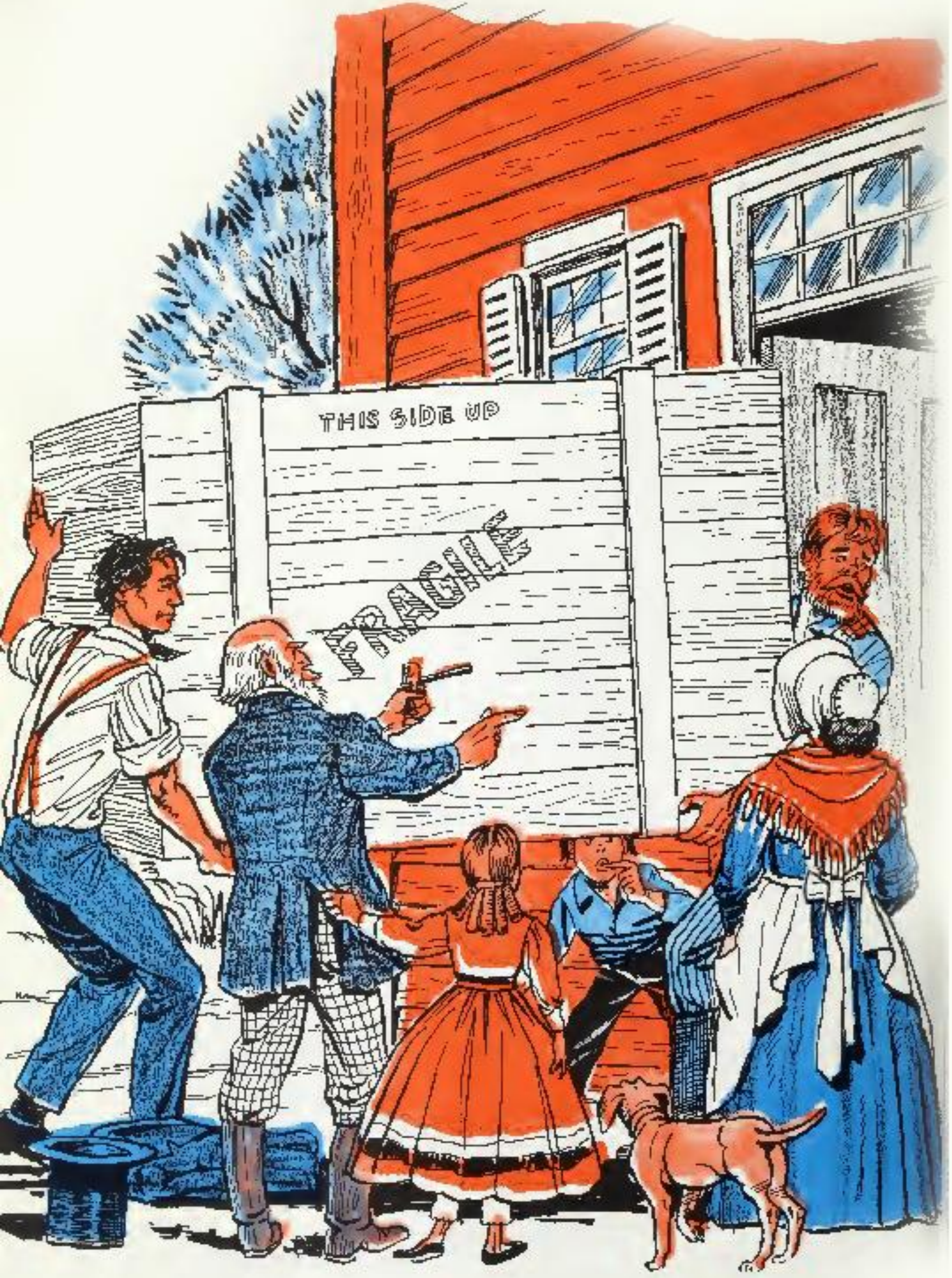
एक वकील के रूप में, मिस्टर लिंकन हर हफ्ते एक खुली बग्गी में सवारी करते थे, जिसका ऊपरी हिस्सा नहीं था. वह हर शहर में लगभग एक हफ़्ते रुकते थे. फिर, जिन लोगों को वकील की मदद चाहिए होती थी, वे मिस्टर लिंकन से मिलने आते थे.





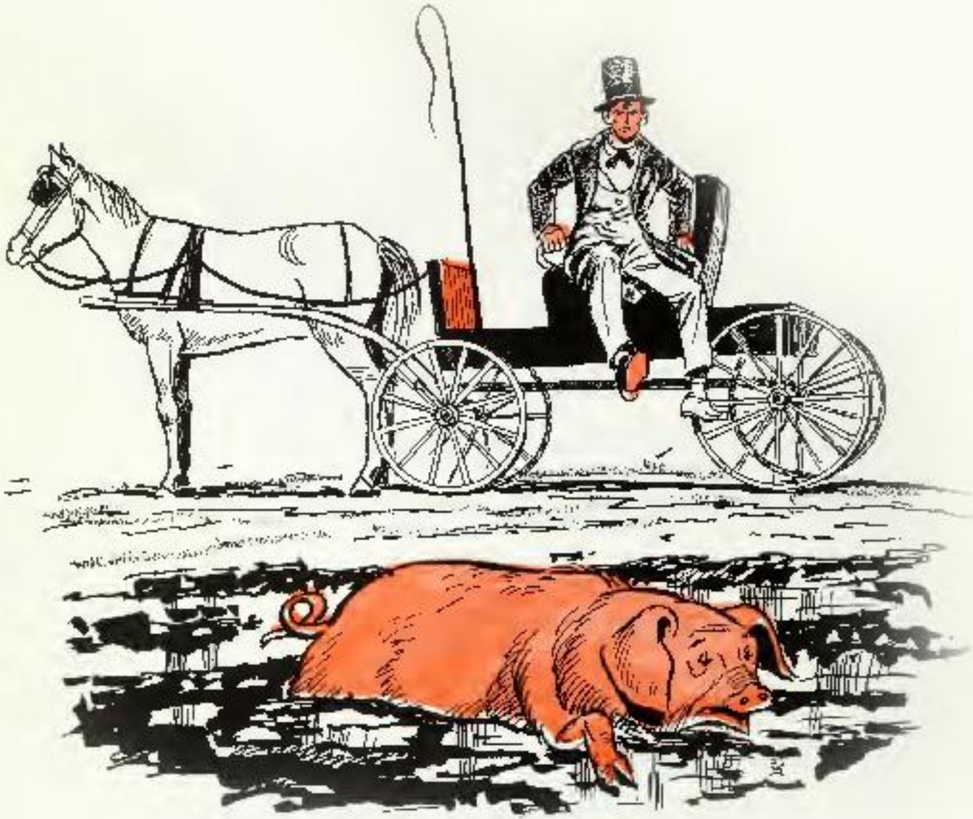
एक बार उन्होंने सड़क पर भीड़ देखी. लोग एक बड़े लकड़ी के बक्से को घूर रहे थे.

"उस बक्से में एक पियानो है," किसी ने कहा. "उसे घर के अंदर ले जाने में कौन मदद करेगा?"



मिस्टर लिंकन तुरंत मदद करने के लिए तैयार हो गए. उन्होंने चारों ओर देखा और एक आदमी को चुना जो लगभग उन्हीं के जितना लंबा था. "तुम दूसरे सबसे बड़े हो," उन्होंने कहा. वह आदमी भीड़ के बीच से निकला और दूसरे लोग उसके पीछे-पीछे आए. वे दोनों मिलकर पियानो को घर के अंदर ले गए.

फिर सड़क पर संगीत और हँसी की आवाज़ें सुनाई देने लगी.



एक बार भारी बारिश के बाद वह बग्घी चला रहे थे. सड़क पर, एक सुअर कीचड़ से बड़ी मुश्किल से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था. मिस्टर लिंकन नीचे कूद पड़े और सुअर तक पहुँचने के लिए कीचड़ में गहरे चले गए. उन्होंने सुअर को उठाकर ज़मीन पर रख दिया.

सुअर और मिस्टर लिंकन कीचड़ से सने हुए थे.

"तुमने ऐसा क्यों किया?" किसी ने पूछा.

मिस्टर लिंकन मुस्कुराए. फिर उन्होंने जवाब दिया. "मैं उस सुअर को याद नहीं करना चाहता जो कीचड़ में से निकाल कर वापिस नहीं आ सके."



कुछ ही समय में बहुत से लोग अब्राहम लिंकन को जानने लगे . वे जानते थे कि लिंकन हँसना-बोलना पसंद करते थे. वे जानते थे कि वह दयालु थे.

जिन लोगों को लंबे अब्राहम के बारे में पता था, उनमें से एक मैरी टॉड थीं - छोटी मैरी टॉड.

बाद में मैरी टॉड अब्राहम लिंकन की पत्नी बनीं.



उनके चार लड़के हुए.

रात में, पिता अब्राहम ज़मीन पर लेट जाते थे और उनके बच्चे उनके ऊपर चढ़ जाते थे.

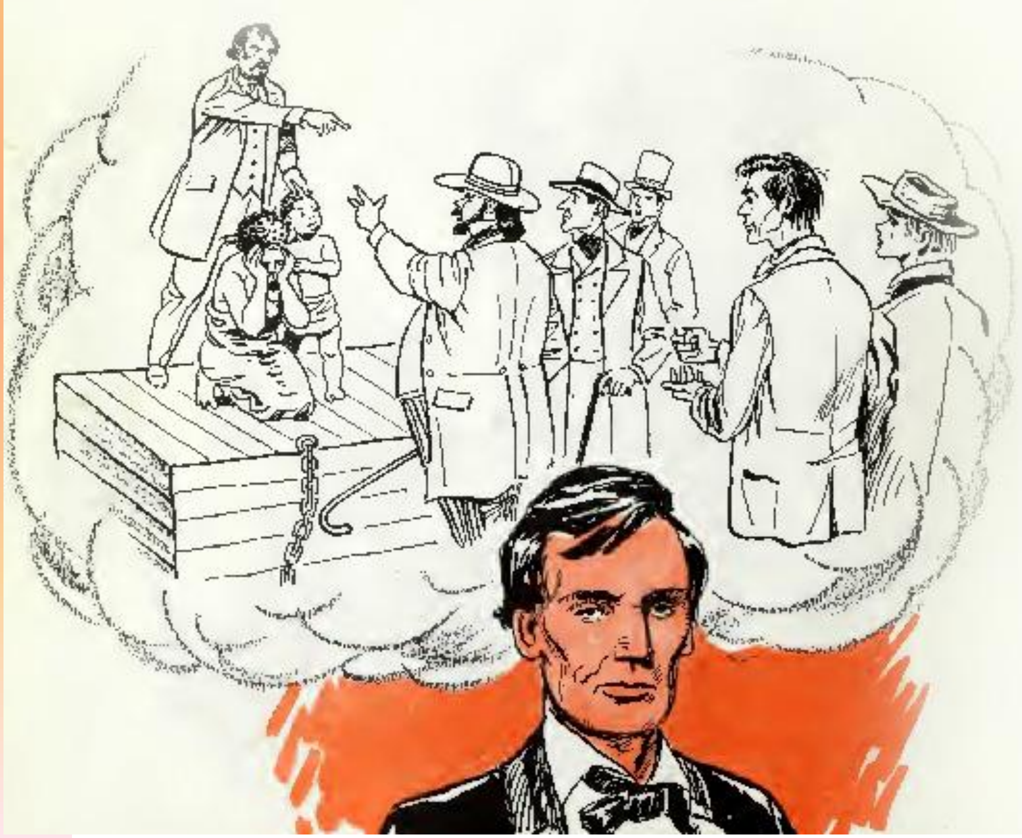
शायद तभी उन्हें केंटकी के उस लकड़ी के घर की याद आई होगी, जहाँ उनका जन्म हुआ था.



उस समय उनके पास सोचने के लिए बहुत सी बातें थीं.

यह वह समय था जब नए राज्य बन रहे थे. मिस्टर लिंकन को उन गुलामों की भी याद आई जो उन्होंने बहुत पहले न्यू-ऑरलियन्स में देखे थे. और वहाँ उन्होंने जो कुछ देखा था, उससे उनके मन में उन लोगों के आज़ाद होने की चाहत जागी.

उन्होंने इलिनॉय में आज़ाद लोगों और गुलामों के बारे में बातें कीं.





सीनेटर स्टीफन डगलस भी गए. पहले, मिस्टर डगलस को और फिर मिस्टर लिंकन को बोलना था. फिर, दूसरे व्यक्ति को पहले का जवाब देना था.

लिंकन-डगलस की इन बहसों को सुनने के लिए बहुत से लोग आते थे.



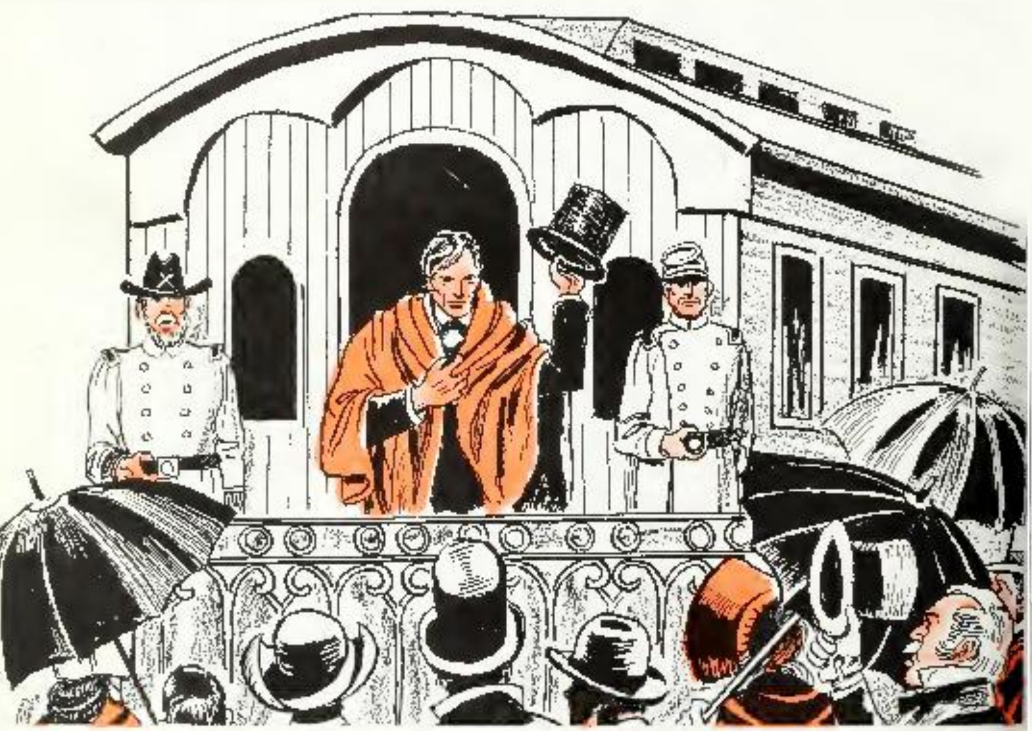
मिस्टर लिंकन चाहते थे कि नए राज्यों में सभी लोग स्वतंत्र हों. मिस्टर डगलस ने इसका विरोध किया. उनका मानना था कि गुलाम रखने चाहिए या नहीं, यह राज्यों की उनकी अपनी इच्छा पर निर्भर करना चाहिए.

मिस्टर लिंकन एक और चीज़ चाहते थे. उन्हें उम्मीद थी कि लोग उन्हें वाशिंगटन में अपना सेनेटर बनाकर भेजेंगे. लेकिन इस बार, वह सेनेटर नहीं बन पाए.

जब लोगों ने अपने सेनेटर का नाम तय किया, तो उन्होंने मिस्टर डगलस को चुना.

दो साल बीत गए, और अब अब्राहम लिंकन को और भी बहुत से लोग जानने लगे.

अब नए राष्ट्रपति के नाम का ऐलान करने का समय आ गया था. इस उच्च पद के लिए उन्होंने जिस व्यक्ति को चुना, वह अब्राहम लिंकन थे.



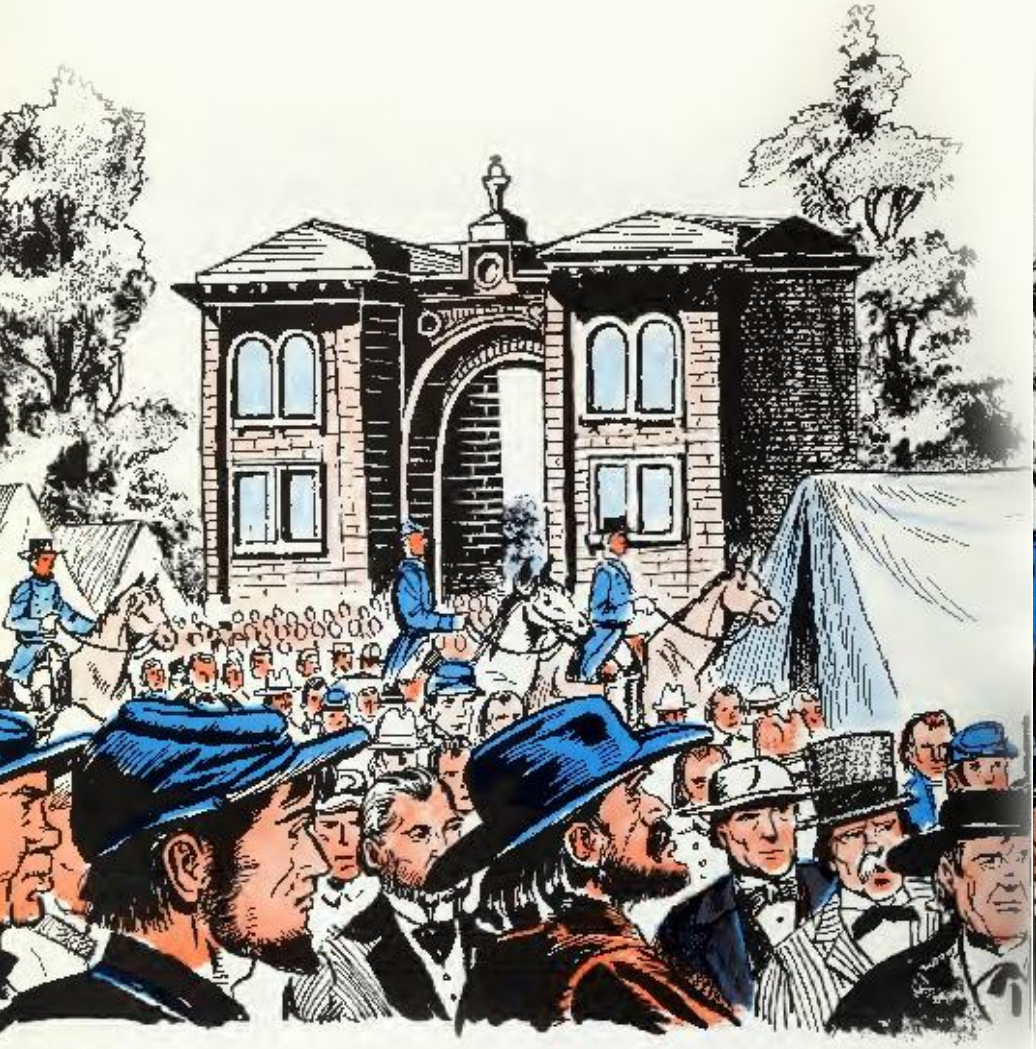
अब वह समय आ गया था जब अब्राहम लिंकन एक नया रास्ता अपनानया था. उन्होंने स्प्रिंगफील्ड में अपने सभी दोस्तों को अलविदा कहा.

मिस्टर लिंकन संकट के समय व्हाइट हाउस गए. हर कोई नए राज्यों के बारे में बातें कर रहा था. पूरा देश गुस्से में था.

युद्ध शुरू हो गया.

दक्षिण के राज्य, उत्तर के राज्यों के विरुद्ध थे. कभी-कभी लोग भाई-भाई के खिलाफ हो जाते थे. लोग उन बातों के लिए अपनी जान दे देते थे जो उन्हें सही लगती थीं.





गेटीसबर्ग के मैदान में कई लोग मारे गए और जहाँ वे गिरे, गुस्से में उन्हें वहीं उन्हें दफ़ना दिया गया.

इस मैदान पर एक दुखी राष्ट्रपति खड़े थे.



"सत्ताईस साल पहले —" उन्होंने कहा.

गेटीसबर्ग में आज ही के दिन उन्होंने जो भाषण दिया, वह ऐसा था जिसे लोग हमेशा याद रखेंगे.

कभी-कभी रात में, राष्ट्रपति व्हाइट हाउस से गुज़रते हुए सोचते — और सोचते रहते थे.

शायद उन्हें आठ साल की उम्र के उस सुहावने पल की याद आती थी. शायद उन्हें बेल के झूले और जंगल में सुनी आवाज़ों की याद आती थी.





कभी-कभी वह रात में घुड़सवारी करते थे, उनका घोड़ा सरपट दौड़ता था, हवा उनके चेहरे से टकराती थी.

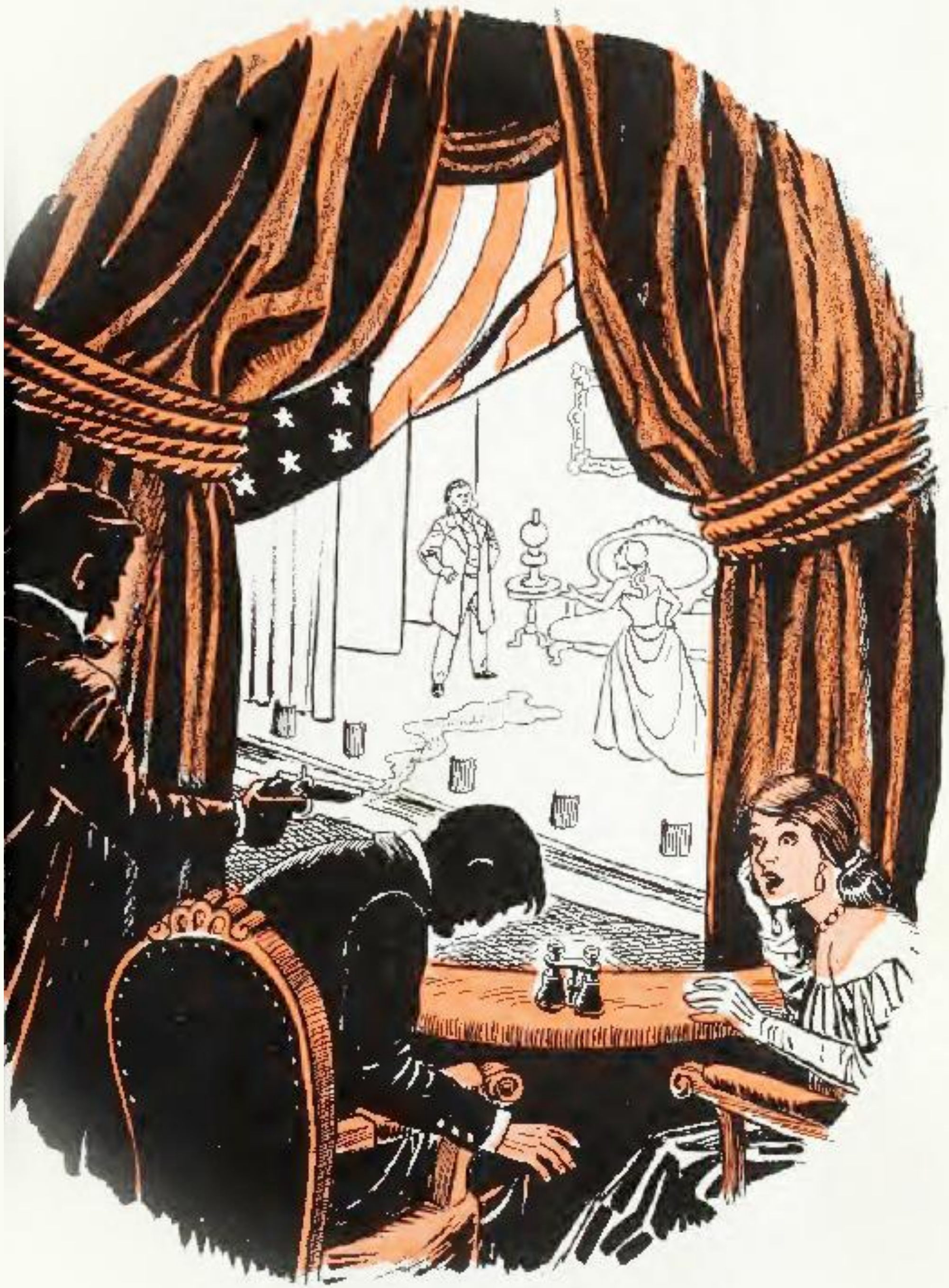
दिन में, उनका आठ साल का लड़का कभी-कभी उनके साथ घुड़सवारी करता था. लड़का अपने टट्टू पर सवार होता था, राष्ट्रपति अपने घोड़े पर सवार होते थे.

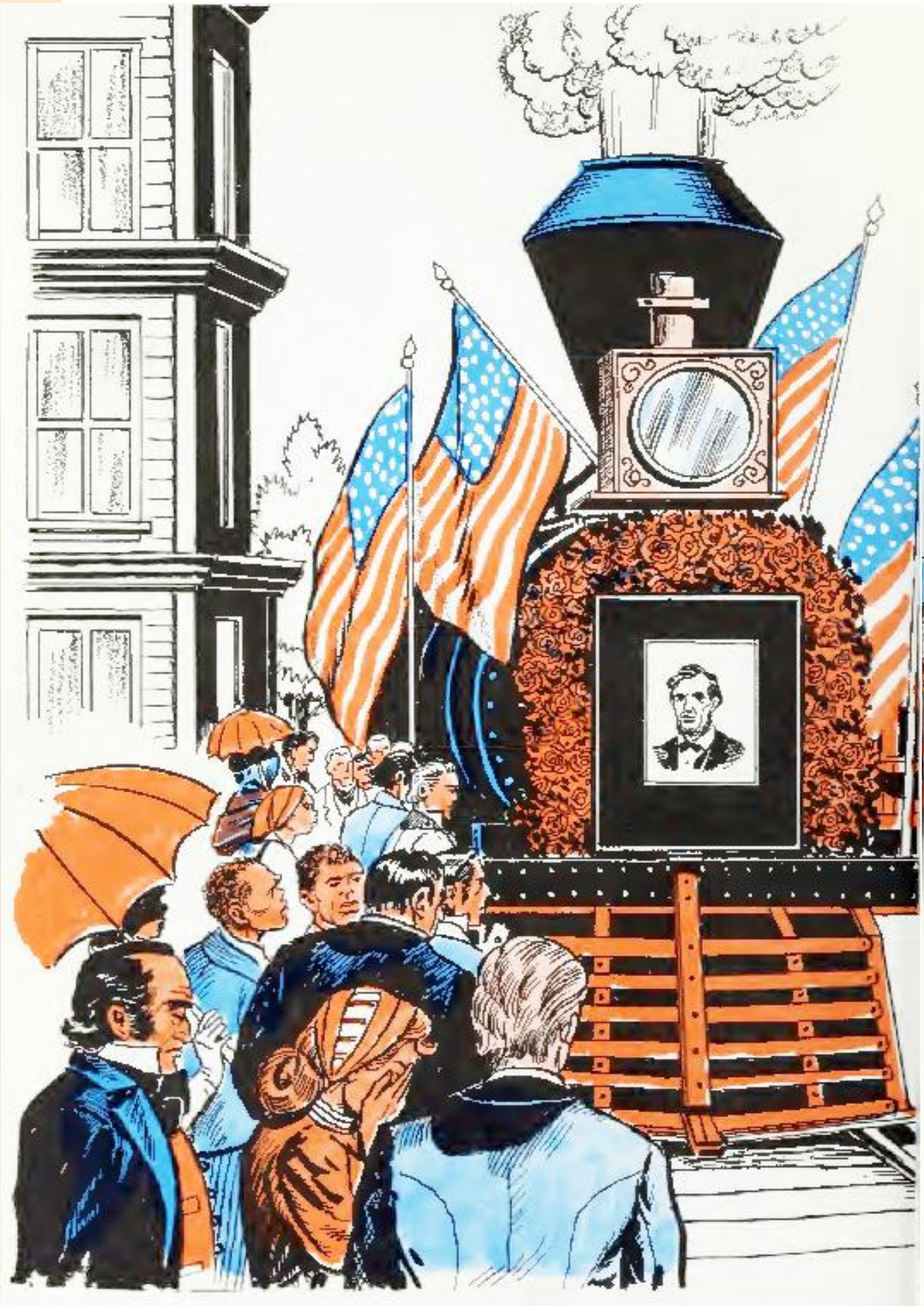



आखिरकार वो सुबह आई जब युद्ध समाप्त हो गया. अब सभी लोग स्वतंत्र थे, और फिर दोनों राज्य एक-साथ मिल गए.

इसके कुछ ही समय बाद, राष्ट्रपति और मिसेज़ लिंकन थिएटर गए. वे एक नाटक देखने गए थे. राष्ट्रपति अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुके - उनके पीछे, एक आदमी ने अपनी जेब से बंदूक निकाली. उसने राष्ट्रपति पर बंदूक तानी, और गोली चला दी.

अगली सुबह अब्राहम लिंकन का निधन हो गया.





उनके पार्थिव शरीर को दफ़नाने के लिए स्प्रिंगफ़ील्ड वापस ले जाया गया.

रास्ते भर, हर खेत और कस्बे से लोग आते रहे. उन्होंने ट्रेन के रास्ते में फूल बिखेरे.



एक राष्ट्रपति चला गया; एक महान व्यक्ति, वो जो कुछ भी जानते थे, वो उन्होंने किताबों से ही पाया था.